Greenlawns School - Worli

Terminal Examination - 2016

कक्षा :- नौवीं | पूर्णांक :- 80

विषय :- हिंदी

दिनांक :- 10.10.2016 | समय :- 3 घण्टे

सूचना :-
1. प्रथम पंद्रह मिनट प्रश्न - पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
2. प्रश्न - पत्र के दो भाग हैं " अ " तथा " ब " ।
3. भाग " अ " के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
4. भाग " ब " में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
5. प्रश्न - पत्र के पृष्ठों की संख्या 10 है ।

Section A (40 Marks)

Attempt ALL Questions

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

Question 1) Write a Short Composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :- (15)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर २५० शब्दों में निबंध लिखिए :- ~~प्रश्न - पत्र के दो भाग हैं " अ " तथा " ब " ।~~

i. " भारत की श्रेष्ठ साधनाओं को पश्चिमी सभ्यता घुन की तरह खा रही है । " आधुनिक परिवेश को देखते हुए इस टिप्पणी पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

ii. आपकी दृष्टि में व्यक्ति के जीवन में अध्यापक का क्या महत्त्व है ? अध्यापक बनने के लिए किन गुणों का होना आप आवश्यक समझते हैं ? यदि आप अध्यापक बने तो आप किन अवगुणों को सदैव अपने से दूर रखेंगे ?

है । आधुनिक परिवेश को देखते हुए इस टिप्पणी पर अपने विचार व्यक्त

iii. " देश की उन्नति में महिलाओं के योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता है । " इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार लिखिए ।

iv. एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-

" आसमान से गिरा , खजूर में अटका "

v. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई घटना , कहानी या लेख लिखिए , पर ध्यान रहे विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए :-

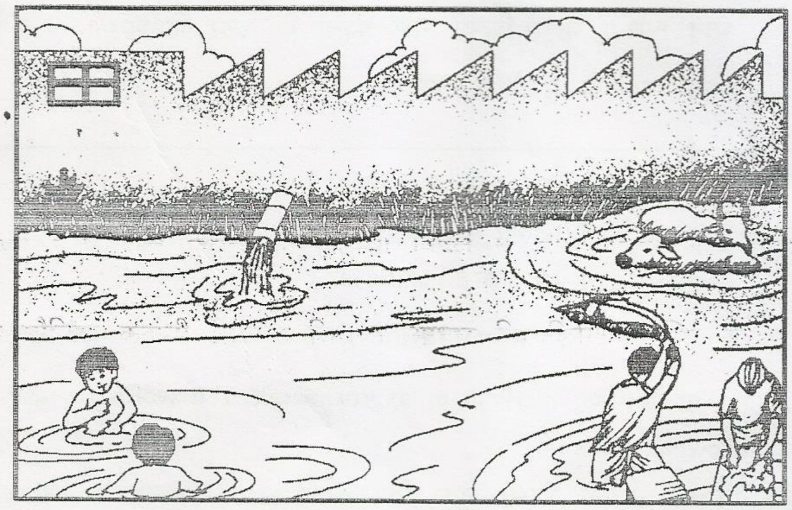

Question 2) Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below :- (7)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए :- (लिफाफा आवश्यक)

i. अपने मित्र को पत्र लिखकर इंटरनेट के प्रयोग से होनेवाले लाभ और हानियों पर प्रकाश डालिए । साथ में उसे यह भी बताइए कि इसका सदुपयोग किस प्रकार किया जा सकता है ?

अथवा

ii. दूरदर्शन पर कुछ चैनलों पर दिखाए जानेवाले आपत्तिजनक कार्यक्रमों के संबंध में किसी प्रसिद्ध समाचार - पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

Question 3) Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :- (10)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके शब्दों में होने चाहिए :-

राणा संग्राम सिंह वीरगति प्राप्त कर चुके थे । चित्तौड़ के सिंहासन पर उनके बड़े पुत्र विक्रमादित्य बैठे, किंतु उनकी अयोग्यता के कारण राजपूत सरदारों ने उन्हें गद्दी से हटा दिया । राणा साँगा के छोटे पुत्र उदयसिंह राज्य के उत्तराधिकारी घोषित किए गए, किंतु वे अभी छह वर्ष के बालक थे । अतएव दासी-पुत्र बनवीर को उनका संरक्षक और उनकी ओर से राज्य का संचालनकर्ता बनाया गया क्योंकि महारानी करुणावती का भी स्वर्गवास हो चुका था ।

राज्य का लोभ मनुष्य को मनुष्य नहीं रहने देता । बनबीर भी राज्य के लोभ से पिशाच बन गया । उसने सोचा कि यदि राणा साँगा के दोनों पुत्रों को मार दिया जाए, तो चित्तौड़ का सिंहासन उसके लिए निष्कंटक हो जाएगा । इसी विचार से एक रात नंगी तलवार लिए वह अपने भवन से निकला । उसने लालच में अंधे होकर विक्रमादित्य की हत्या कर दी ।

राजकुमार उदयसिंह सायंकाल का भोजन करके सो चुके थे । उनका पालन - पोषण करने वाली पन्ना धाय को बनबीर के बुरे अभिप्राय का कुछ पता न था । रात में जूठे पत्तल हटाने बारिन आई, उसने पन्ना को बनबीर द्वारा विक्रमादित्य की हत्या का समाचार दिया । बारिन उस समय वहीं थी और बनबीर का यह कुकृत्य देखकर किसी प्रकार भागी हुई पन्ना के पास आई थी । उसने कहा - " वह यहाँ आता ही होगा । "

पन्ना चौंकी और उसे अपना कर्तव्य स्थिर करने में क्षण भर भी न लगा । उसने बालक उदयसिंह को उठाकर बारिन को दे दिया और कहा - " इन्हें लेकर चुपचाप निकल जाओ । मैं तुम्हें वीरा नदी के तट पर मिलूँगी । "

उदयसिंह सो रहे थे। उन्हें टोकरे में लिटाकर, ऊपर से पत्तलें ढककर बारिन राजभवन से निकल गई। इधर पन्ना ने अपने पुत्र चंदन को कपड़ा ओढ़ाकर उदयसिंह के पलंग पर सुला दिया। दोनों बालक लगभग एक ही अवस्था के थे। अपने स्वामी के बालक और राज्य के उत्तराधिकारी की रक्षा के लिए उस कर्तव्यनिष्ठ धाय ने अपने कलेजे के टुकड़े का बलिदान करने का निश्चय कर लिया था।

नंगी, रक्त से सनी तलवार लिए बनबीर कुछ क्षणों के बाद ही आ धमका। उसने कड़क कर पूछा - " उदय कहाँ है ? "

पन्ना धाय ने अंगुली से अपने सोते पुत्र की ओर संकेत कर दिया। तलवार उठी और उस अबोध बालक का सिर धड़ से अलग हो गया। बनबीर चला गया। कर्तव्यनिष्ठ पन्ना धाय के मुख से चीख न निकली, न नेत्रों से आँसू गिरे। उसे तो अभी अपना धर्म निभाना था। उसका हृदय फटा जाता था। पुत्र का शव लेकर वह राजभवन से निकली।

वीरा नदी के तट पर उसने पुत्र का अंतिम संस्कार किया और मेवाड़ के नन्हें निद्रित अधीश्वर को लेकर रात्रि में ही मेवाड़ से बाहर निकल गई। बेचारी धाय ! कोई उसे आश्रय देकर बनबीर से शत्रुता मोल लेना नहीं चाहता था। अत: वह एक से दूसरे ठिकानों में भटकती फिरी। अंत में देयरा के आशाशाह ने उसे आश्रय दिया।

बनबीर को उसके कर्म का दंड मिलना था, राणा उदयसिंह जब गद्दी पर बैठे, पन्ना धाय की चरणधूलि अपने मस्तक पर लगाकर उन्होंने अपने को धन्य माना। पन्ना चित्तौड़ की सच्ची धात्री सिद्ध हुई और सेवक धर्म के आदर्श का पाठ दुनिया को सिखा गई। पन्ना धाय की उज्ज्वल कीर्ति अमर है।

प्रश्न :-

i. बनवीर कौन था ? लोभ में पकड़कर उसने क्या सोचा ? (2)

ii. पन्ना धाय को बनवीर के बुरे इरादे का कब व किस प्रकार पता चला ? (2)

iii. पन्ना धाय ने क्या निर्णय लिया और क्यों ? (2)

iv. पन्ना धाय वीरा नदी के तट पर क्यों पहुँची ? उसे अनेक ठिकानों पर क्यों भटकना पड़ा ? (2)

v. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? (2)

Question 4) Answer the following according to the instructions given :-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

i. निम्न शब्दों के भाववाचक संज्ञा शब्द लिखिए :- (1)

1. रंग 2. मम

ii. निम्न शब्दों के विशेषण शब्द लिखिए :- (1)

1. कल्पना 2. पुष्प

iii. निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- (1)

1. आर्द्र 2. कनिष्ठ

iv. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (1)

1. अधम 2. आख्यान

v. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :- (1)

1. एड़ी - चोटी का जोर लगाना 2. उँगली उठाना

vi. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :- (3)

1. जिस पर मुकदमा चल हो रहा हो, ऐसा व्यक्ति देश के बाहर नहीं जा सकता है ।

(रेखांकित अनेक शब्द के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य दुबारा लिखिए ।)

2. महात्मा गाँधी को देश सदा आभारी रहेगा ।

(वाक्य शुद्ध कीजिए ।)

3. तुमने इस प्रश्न का उत्तर विस्तार से नहीं लिखा ।
(" नहीं " हटाइए , परंतु वाक्य का अर्थ न बदले ।)

Section B (40 Marks)

Attempt ANY 4 Questions

Attempt at least One - One Question from 2 books

विभाग - ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग (गद्य - विभाग)

इस भाग से कुल ४ प्रश्न करने हैं ।

चयनित प्रत्येक पुस्तक में से एक - एक प्रश्न लिखना अनिवार्य हैं ।

Question 5) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

“ दोनों घंटों साथ बैठते , बातें करते । ”

" बात अठन्नी की "

लेखक - सुदर्शन

प्रश्न :-

i. वे " दोनों " कौन हैं ? उनका आपस में क्या संबंध था ? (2)

ii. दोनों किस - किस के यहाँ काम करते थे ? दोनों में कौन-सी बात समान थी ? (2)

iii. किस घटना से स्पष्ट होता है कि दोनों में बहुत मित्रता थी ? समझाइए । (3)

iv. प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । (3)

Question 6) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"मैं लिखना नहीं जानता, नहीं तो उस पर उनका नाम लिख देता।"

"काकी"

लेखक - सियाराम शरण गुप्त

प्रश्न :-

i. प्रस्तुत वाक्य किसने, किससे व कब कहा? (2)

ii. वक्ता किसका नाम लिखना चाहता है? कहाँ पर व क्यों? स्पष्ट कीजिए। (2)

iii. उपरोक्त वाक्य के आधार पर बताइए कि वक्ता क्या योजना बना रहा था व क्यों? (3)

iv. कहानी के शीर्षक के औचित्य पर प्रकाश डालिए। (3)

Question 7) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पान वाले से पूछ ही लिया, "क्यों भई। क्या बात है?"

"नेताजी का चश्मा"

लेखक - स्वयं प्रकाश

प्रश्न :-

i. वक्ता कौन है? उन्हें क्या आदत पड़ गई थी? (2)

ii. श्रोता का परिचय दीजिए। (2)

iii. दुर्दमनीय शब्द का क्या अर्थ है? वक्ता का कौतूहल दुर्दमनीय क्यों हो गया? (3)

iv. कस्बा कैसा था? उसकी देखरेख की जिम्मेदारी किसकी थी? (3)

पद्य - विभाग

Question 8) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार ।
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार ।।
गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूँ पायँ ।
बलि हारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियो बताय ।।

" साखी "
कवि - कबीरदास

प्रश्न :-

i. " काके लागूँ पायँ " यह पंक्ति भक्त की किस दुविधा की ओर संकेत करती है ? वह इस दुविधा का क्या हल निकालता हैं ? (2)

ii. " पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार " इस अंश में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है ? (2)

iii. कबीरदास जी ने " ताते ये चाकी भली " इस पंक्ति के माध्यम से क्या संदेश दिया है ? स्पष्ट कीजिए । (3)

iv. कबीरदास जी का जीवन परिचय दीजिए । (3)

Question 9) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता ।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,

जग को दया दिखाई , जग को दीया दिखाया ।

वह युद्धभूमि मेरी , वह बुद्धभूमि मेरी । "

वह जन्मभूमि मेरी

कवि - सोहनलाल द्विवेदी

प्रश्न :-

i. " जन्मे जहाँ थे रघुपति , जन्मी जहाँ थी सीता " पंक्ति के अर्थ को समझाइए । (2)

ii. भारतभूमि की क्या - क्या विशेषताएँ हैं ? (2)

iii. भारतभूमि को बुद्धभूमि क्यों कहते हैं ? (3)

iv. प्रस्तुत कविता के संदेश को स्पष्ट कीजिए । (3)

Question 10) Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" जाके प्रिय न राम वैदेही

तजिए ताहि कोटि वैरी सम जद्पि परम सनेही ।।

तज्यो पिता प्रह्लाद , विभीषण बंधु , भरत म्हतारी

बलि गुरु तज्यो , कंत ब्रज बनितहि , भार - मदु मंगलकारी

नाते नेह राम के मनियत , सुहुद सुसेव्य जहाँ लौं ।

अंजन कहा आँख जेहि फूटै , बहु तक कहौं कहाँ लौं "

विनय के पद

कवि - तुलसीदास

प्रश्न :-

i. " तजिए ताहि कोटि वैरी सम " से कवि क्या कहना चाहते हैं ? स्पष्ट कीजिए । (2)

ii. कवि ने अंजन के उदाहरण द्वारा क्या समझाया है ? (2)

iii. विभीषण व भरत ने किसका त्याग किया व क्यों ? (3)

iv. शब्दार्थ लिखिए :- (3)

कंत , सुहुद , वैदेही , जेहि , सुसेव्य , मंगलकारी ।

---------------- समाप्त ----------------